

उत्तरांचल शासन,
सूचना अनुभाग,
संख्या-266/XXII/2006-57(सू0लो0स0)/2002
देहरादून दिनांक 29 दिसम्बर, 2006

कार्यालय-ज्ञाप

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल के राजपत्रित अधिकारियों की सेवा शर्तों को विनियमित किये जाने हेतु " उत्तरांचल सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग राजपत्रित सेवा नियमावली, 2006" प्रख्यापित की गई है। उक्त नियमावली की एक प्रति आपको सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित करने का अधोहस्ताक्षरी को निदेश हुआ है।

(डी0के0 कोटिया)
सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 266/XXII/2006-57(सू0लो0स0)2002, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
- 3- निजी सचिव, मा0 सूचना मंत्री, उत्तरांचल।
- 4- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- सचिव, उत्तरांचल लोक सेवा आयोग, हरिद्वार।
- 6- आयुक्त कुमाऊँ/गढ़वाल मण्डल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 8- वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन।
- 9- समस्त मुख्य/वरिष्ठ कौषाधिकारी उत्तरांचल।
- 10- कार्मिक अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 11- महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 12- एन0आई0सी0 देहरादून।
- 13- उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि वे कृपया इस नियमावली का प्रकाशन राजकीय गजट अराधारण विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-ख में दिनांक 29 दिसम्बर, 2006 में प्रकाशित करने का कष्ट करें।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(सुबहिन)
अपर सचिव

उत्तरांचल शासन

सूचना अनुभाग

संख्या:266 / XXII / 2006-57 / सू०लो०स० / 2002

सचिवालय देहरादून

दिनांक : 29 दिसम्बर, 2006

अधिसूचना

-विविध-

'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग तथा इस विषय के विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिक्रमण करते हुए राज्यपाल महोदय, उत्तरांचल, सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, राजपत्रित सेवा में भर्ती और उसमें नियुक्त व्यक्तियों के सेवा की शर्तें विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तरांचल सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग राजपत्रित सेवा नियमावली, 2006

भाग-एक सामान्य

- | | | |
|--------------------------|----|---|
| संक्षिप्त नाम और प्रारंभ | 1. | (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तरांचल, सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, राजपत्रित सेवा नियमावली, 2006 है।
(2) यह तुरंत प्रवृत्त होगी। |
| सेवा की प्रारिथिति | 2 | उत्तरांचल सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग राजपत्रित सेवा एक राज्य सेवा है जिसमें समूह 'क' व 'ख' के पद समाविष्ट हैं। |
| परिभाषाएँ | 3. | जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में :-
(क) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से नियम 5 के कम संख्या 1 से 3 तक के पदों के सम्बन्ध में राज्यपाल से और शेष पदों के सम्बन्ध में महानिदेशक अभिप्रेत है;
(ख) 'भारत का नागरिक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो भारत का संविधान के भाग-2 के अधीन भारत का नागरिक हो या समझा जाय;
(ग) आयोग से 'उत्तरांचल लोक सेवा आयोग' अभिप्रेत है;
(घ) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;
(ङ) 'महानिदेशक' से महानिदेशक, सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तरांचल अभिप्रेत है;
(च) 'सरकार' से उत्तरांचल की राज्य सरकार अभिप्रेत है;
(छ) 'राज्यपाल' से उत्तरांचल के राज्यपाल अभिप्रेत है;
(ज) 'सेवा का सदस्य' से इस नियमावली या आदेशों के अधीन स्थाई रूप से मूल पद पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;
(झ) 'सेवा' से उत्तरांचल, सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, राजपत्रित सेवा |

- (ज) 'मौलिक नियुक्ति' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात की गई हो और यदि नियम न हों तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात की गयी हो ;
- (ट) 'भर्ती का वर्ष' से किसी कैलेंडर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है।

भाग दो-संवर्ग

सेवा का संवर्ग

4. (1) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जितनी सरकार द्वारा समय समय पर अवधारित की जाय;
- (2) सेवा में कर्मिकों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या जब तक कि उपधारा (1) के अधीन पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाय, उतनी होगी जिसकी परिशिष्ट में दी गयी है, परन्तु;
- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुये छोड़ सकता है या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा, या
- (दो) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

भाग तीन-भर्ती

भर्ती का स्रोत

5. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी :-

(1) संयुक्त निदेशक

- मौलिक रूप से नियुक्त उप निदेशकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में एक वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(2) उपनिदेशक

- मौलिक रूप से नियुक्त सहायक निदेशकों एवं सम्पादक में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति के द्वारा।

(3) सहायक निदेशक / सहायक निदेशक, तकनीकी

- मौलिक रूप से नियुक्त सूचना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी व फोटो फिल्म अधिकारी (सहायक निदेशक (तकनीकी) के लिए) में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो पदोन्नति द्वारा।

(4) सम्पादक

- आयोग के माध्यम से सीपी भर्ती द्वारा।

(5) सूचना अधिकारी /
जिला सूचना अधिकारी

- (एक) पचास प्रतिशत पद सीधी भर्ती से आयोग के माध्यम से ।
- (दो) पचास प्रतिशत पद आयोग के माध्यम से पदोन्नति द्वारा जिसमें से :
- (क) 8 प्रतिशत पद मौलिक रूप से नियुक्त वैयक्तिक सहायक/ऑफिस सेक्रेटरी एवं प्रशासनिक अधिकारी-1 में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो।
- (ख) 12 प्रतिशत पद मौलिक रूप से नियुक्त अनुवादकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में सात वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो।
- (ग) 80 प्रतिशत पद पर अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारियों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो।

टिप्पणी :- सूचना अधिकारियों का एकीकृत संदर्भ होगा, जिन्हें जनपदों में तैनात किये जाने पर जिला सूचना अधिकारी के रूप में पदाभिहित किया जायेगा।

(6) फोटो फिल्म अधिकारी —

मौलिक रूप से नियुक्त फोटोग्राफर या कैमरामैन में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, विभागीय घघन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा ।

आरक्षण

6. उत्तरांचल राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों अन्य पिछड़ी जातियों तथा और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

भाग चार—आर्हताएं

राष्ट्रीयता

7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए वह आवश्यक है, कि अभ्यर्थी :
- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) तिब्बती शाणार्थी हो, जो भारत में अस्थायी निवास के अभिप्राय से 01 जनवरी 1962, पूर्व भारत आया हो; या
- (ग) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो जिसने भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश केन्वा, यूगांडा और यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तन्जानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका व जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो :

परन्तु उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) के अभ्यर्थियों को

2. सूचना अधिकारी/
जिला सूचना अधिकारी

(क) आनेवाये अहंताय

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से एक विषय के रूप में हिन्दी के साथ स्नातक उपाधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यताप्राप्त कोई उपाधि।

(दो) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यताप्राप्त किसी संस्था से पत्रव्यवस्था में डिप्लोमा।

(ख) अधिमानी अहंता

(एक) समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेख, पटकथा और फीचर लिखने का तीन वर्ष का अनुभव।

(दो) सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त किसी संस्था से संगीत/प्रकाशन-व्यवस्था/अभिनय/निर्देशन इत्यादि में डिप्लोमा।

आयु

9.

सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु, यदि पद 01 जनवरी से 30 जून की अवधि के दौरान विज्ञप्ति किये जाते हैं, तो जिस वर्ष भर्ती की जाती है, उस वर्ष को 01 जनवरी को 21 वर्ष और अधिक से अधिक 35 वर्ष होनी चाहिए और यदि पद 01 जुलाई से 31 दिसम्बर की अवधि के दौरान विज्ञप्ति किये जाते हैं, तो उस वर्ष की 01 जुलाई को 21 वर्ष और अधिक से अधिक 35 वर्ष होनी चाहिए। परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य ऐसी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के मामले में जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाय, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जायेगी, जैसा कि विहित किया जाय।

घरित्र

10

सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का घरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो सके। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा।

टिप्पणी :-

संघ सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्त के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अक्षमता के किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक प्रास्थिति

11.

नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो।

ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो।

परन्तु श्रेणी (ख) के अभ्यर्थी से यह भी अपेक्षा कि जायेगी कि वह पुलिस उप महानिरीक्षक, अनिसूचना शाखा, उत्तरांचल से पात्रता का प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) का हो तो पात्रता का प्रमाण पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर लें।

टिप्पणी :-

ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो किन्तु वह न तो जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा या साक्षात्कार में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण पत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

शैक्षिक अर्हताएं

8.

सेवा में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी की निम्नलिखित अर्हता होनी आवश्यक है:

पद

अर्हताएं

(1) सम्पादक

(क) अनिवार्य अर्हताएं

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से एक विषय के रूप में हिन्दी या संस्कृत साहित्य के साथ स्नातक की उपाधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अर्हता।

(दो) किसी प्रमुख दैनिक या मासिक समाचार पत्र में या सरकार के किसी विभाग में पत्रकारिता या सम्पादकीय कार्य को पाँच वर्ष का अनुभव।

(ख) अधिमान अर्हताएं

अन्य बातों के समान होने पर अभ्यर्थी को अधिमान दिया जाएगा जिसने :-

(एक) प्रादेशिक सेना में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या

(दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का बी प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

से अनावधिक) होंगी। आयोग सूची नियुक्ति प्राधिकारी को
अग्रसारित करेगा।

टिप्पणी :- प्रतियोगिता परीक्षा का पाठ्यक्रम और नियम आयोग द्वारा समय-समय पर विहित किये जायेंगे।

(जहाँ भर्ती प्रतियोगिता से निम्न माध्यम से की जानी है।)

पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया

15. संयुक्त निदेशक, उप निदेशक एवं सहायक निदेशक के पद पर
पदोन्नति निम्नानुसार गठित चयन समिति द्वारा की जाएगी।

- (1) प्रमुख सचिव/सचिव, सूचना विभाग, उत्तरांचल
शासन — पदेन अध्यक्ष
- (2) प्रमुख सचिव/सचिव, कार्मिक विभाग के प्रतिनिधि
जो संयुक्त सचिव से निम्न स्तर के न हों — पदेन सदस्य
- (3) अनु.जा./अनु.ज.जा. का एक अधिकारी जो
संयुक्त सचिव से निम्न स्तर के न हों — सदस्य
- (4) अपर सचिव एवं अधिशासी निदेशक — पदेन सदस्य सचिव

फोटो फिल्म अधिकारी के लिए पदोन्नति समिति निम्नानुसार
होगी।

- (1) महानिदेशक, सूचना, उत्तरांचल — पदेन अध्यक्ष
- (2) अधिशासी निदेशक, सूचना, उत्तरांचल — पदेन सदस्य
- (3) उपनिदेशक स्तर का एक अधिकारी — पदेन सदस्य सचिव
- (4) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक अधिकारी
— सदस्य

(2) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा ज्येष्ठताक्रम/गुणानुक्रम के आधार पर
पत्र अभ्यर्थियों का सूची बनाने की जायेगी और उनकी चरित्र
पत्रिका तथा उनसे सम्बन्धित अन्य ऐसे अभिलेखों के साथ
चयन समिति के समक्ष रखी जायेगी, जो उचित समझ जाय।

(3) चयन समिति द्वारा उपनियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के
आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार किया जायेगा और
यदि वह आवश्यक समझे तो उसके द्वारा अभ्यर्थियों का
साक्षात्कार किया जा सकता है।

(4) चयन समिति चयनित अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता के आधार पर
सूची तैयार कर उसे नियुक्ति प्राधिकारी को प्रेषित करेगी।

दे सकती है यदि उसका यह समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।

शारीरिक स्वस्थता

12.

किसी अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से युक्त न हो जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की संभावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह चिकित्सा परिषद् द्वारा आयोजित चिकित्सा परीक्षा में सफल पाया जायें।

परन्तु पदोन्नति द्वारा भर्ती किये गये अभ्यर्थी से स्वस्थता प्रमाण-पत्र की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

भाग पाँच-भर्ती प्रक्रिया

रिक्तियों का अवधारण

13.

नियुक्ति प्राधिकारी, वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की नियम 6 के अधीन उत्तराचल की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या अवधारित करेगा और आयोग को सूचित करेगा।

सीधी भर्ती की प्रक्रिया

14.

- (1) प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति के लिए आवेदन पत्र आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में प्रकाशित प्रपत्र में आयोग द्वारा आमंत्रित किये जायेंगे, जिसे आयोग के सचिव से भुगतान पर प्राप्त किया जा सकेगा।
- (2) आयोग द्वारा जारी प्रवेश पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- (3) लिखित परीक्षा का परिणाम प्राप्त होने और सारणी बद्ध करने के पश्चात् नियम 6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी जातियों तथा अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों का सम्यक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उतने अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलायेगा जितने लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आयोग द्वारा इस सम्बन्ध में निर्धारित स्तर तक पहुँचे हों। साक्षात्कार में प्रत्येक अभ्यर्थी को दिये गये अंक लिखित परीक्षा में उसके द्वारा प्राप्त अंकों में जोड़ दिये जायेंगे।
- (4) आयोग अभ्यर्थियों की उनकी प्रवीणता क्रम में जैसा कि लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्रत्येक अभ्यर्थी को प्राप्त अंकों के कुल योग से प्रकट हो एक सूची तैयार करेगा और उतनी संख्या में अभ्यर्थियों को जितनी वह उचित समझे नियुक्ति के लिए संस्तुति करेगा। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी कुल योग में बराबर अंक प्राप्त करें तो लिखित परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी का नाम सूची में उच्चतर स्थान पर रखा जायेगा। सूची में नामों की संख्या से अधिक (किन्तु 25 प्रतिशत

दोनों स्रोतों द्वारा की जाती है तो एक संयुक्त चयन सूची तैयार की जायेगी जिसमें सुसंगत सूचियों से अभ्यर्थियों के नाम इस रीति से लेकर रखे जायेंगे कि विहित प्रतिशत बना रहे, सूची में पहला नाम पदोन्नति द्वारा नियुक्ति व्यक्ति का होगा।

उदाहरण :

(एक) मान लीजिए यदि किसी वर्ष विशेष में सेवा में नियुक्ति सीधी भर्ती (सी) और पदोन्नति (प) दोनों प्रकार से 75 और 25 के अनुपात में की जाती है और रिक्तियाँ 20 हैं, तो ऐसी स्थिति में 15 रिक्तियाँ सीधी भर्ती के अभ्यर्थियों और 5 रिक्तियाँ पदोन्नति द्वारा भरी जायेंगी। चयन के परवर्त संयुक्त सूची निम्न चालीय क्रम में तैयार की जायेगी :-

1. सी	5. प	9. प	13. प	17. प
2. सी	6. सी	10. सी	14. सी	18. सी
3. सी	7. सी	11. सी	15. सी	19. सी
4. सी	8. सी	12. सी	16. सी	20. सी

(दो) यदि उपरोक्त प्रकरण में किसी वर्ष (क) में भर्ती विहित कोटे में अनुसार न करके 8 व्यक्ति पदोन्नति द्वारा और 12 व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किये जाते हैं और तत्समय प्रवृत्त संगत आदेश किसी भी स्रोत से रिक्तियाँ भरने की अनुमति नहीं देते हैं तो सीधी भर्ती के कोटे की पूर्ति अगले वर्ष (ख) में 20 रिक्तियों में से 18 सीधी भर्ती और 02 को पदोन्नति द्वारा भर्ती से की जायेगी :-

(क) और (ख) वर्षों में संयुक्त सूची निम्नलिखित चालीय क्रम में तैयार की जायेगी :-

वर्ष (क)		वर्ष (ख)	
1.सी	10.सी	1.सी रिक्ति भरी नहीं गई	11.सी
2.सी	11.सी	2.सी के कोटे की	12.प वर्ष (क) की अति.भर्ती
3.सी	12.सी	3.सी वर्ष (क)	13.सी
4.सी	13.प	4.प वर्ष (क) की अतिरिक्त भर्ती	14.सी
5.प	14.सी	5.सी	15.सी
6.सी	15.सी	6.सी	16.प
7.सी	16.सी	7.सी	17.सी
8.सी	17.प	8.प वर्ष (क) की अतिरिक्त भर्ती	18.सी
9.प		9.सी	19.सी
		10.सी	20. प

(तीन) तत्समय प्रवृत्त संगत आदेशों में विनिर्दिष्ट आकस्मिकता में खाली पदों को अन्य स्रोतों से भरे जाने का प्राविधान और खाली 03 पद इस प्रकार पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं तो संयुक्त सूची निम्नलिखित चालीय क्रम में होगी :-

1. प	6. सी	11. सी	16. सी
2. सी	7. सी	12. सी	17. प
3. सी	8. सी	13. सी	18. प
4. सी	9. प	14. सी	19. प
5. प	10. सी	15. सी	20. प

भाग छ:-नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

- (1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नाम उसी क्रम में लेकर, जिसमें वे यथास्थिति, नियम 15, 16 या 17 के अधीन तैयार की गयी सूची में आये हों, नियुक्तियाँ करेगा।
- (2) यदि भर्ती के किसी वर्ष में नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों द्वारा की जानी हों तो नियमित नियुक्तियाँ तब तक नहीं की जायेंगी जब तक कि दोनों स्रोतों से चयन न कर लिया जाये और नियम 17 के अनुसार एक संयुक्त सूची तैयार न कर ली जाये।
- (3) यदि किसी एक चयन के सम्बन्ध में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जाये तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख ज्येष्ठताक्रम में भी किया जायेगा जैसी यथास्थिति चयन में अवधारित की जाय या जैसी कि उस संवर्ग में हो, जिससे उन्हें पदोन्नत किया जाय। यदि नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों द्वारा की जायें तो नामों को नियम 17 में निर्दिष्ट चकानुकम के अनुसार रखा जायेगा।
- (4) नियुक्ति प्राधिकारी अस्थायी या स्थानापन्न रूप में भी उपनियम (1) के अधीन तैयार की गई सूची में नियुक्ति कर सकता है। यदि सूचियों का कोई अन्यथा उपलब्ध न हो तो वह इन नियमों के अधीन पात्र अभ्यर्थियों में ऐसी रिक्तियों पर नियुक्ति कर सकता है। ऐसी नियुक्तियाँ एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए या इन नियमों के अधीन अगले चयन के बाद तक, इनमें जो भी पहले हो, नहीं की जायेगी और जहाँ पद आयोग के क्षेत्र के अन्तर्गत आता हो, वहाँ उत्तरांचल लोक सेवा आयोग विनियम, 1954 के विनियम 5 (क) के प्राविधान लागू होंगे।

- (1) सेवा में किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किये जाने पर प्रत्येक व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परिरीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी, ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किये जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परिरीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है जिसमें निश्चित दिनांक निर्निर्दिष्ट की जायेगी जब तक अवधि बढ़ायी जाये :

परन्तु आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परिरीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जाये।

- (3) यदि परिरीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिरीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसे अन्त में नियुक्त प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिरीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है, तो उसे उसके मौलिक पद पर यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकता है और

गया है।

- 4 जहाँ नियुक्तियाँ पदोन्नति और सीधी भर्ती दोनों प्रकार से अथवा किसी एक स्रोत द्वारा की जाती है और स्रोतों का पृथक-पृथक कोट विहित है तो परस्पर ज्योत्तता नियम 20 के अनुसार तैयार की गई संयुक्त सूची के नामों को चरणीय क्रम में इस प्रकार क्रमबद्ध कर अवधारित की जायेगी कि विहित प्रतिशत बना रहे।

परन्तु उपबन्ध यह है कि :

जहाँ किसी स्रोत से नियुक्तियाँ विहित कोट से अधिक की जाती हैं वहाँ कोट से अधिक नियुक्त व्यक्तियों की ज्योत्तता अनुवर्ती वर्ष या वर्षों में जिसमें कोट के अनुसार रिक्तियाँ हों, नीचे कर दी जायेगी।

जहाँ किसी स्रोत से नियुक्तियाँ विहित कोट से कम की जाती हैं और ऐसा रिक्त पदों के विरुद्ध नियुक्तियाँ अनुवर्ती वर्ष या वर्षों में की जाती हैं वह इस प्रकार नियुक्त व्यक्तियों की किसी पूर्ववर्ती वर्ष में गणना नहीं मिलेगी बल्कि उन्हें उस वर्ष की ज्योत्तता मिलेगी जिस वर्ष उनकी नियुक्ति की गयी। यद्यपि उस वर्ष की संयुक्त सूची में उनका नाम चरणीय क्रम में अन्य नियुक्त व्यक्तियों के नाम से सबसे ऊपर रखा जायेगा।

- 5 जहाँ नियमों के विहित प्रक्रिया के अनुसार किसी स्रोत से भरी जान वाली रिक्तियाँ सगत् नियम या प्राकृत्या के अन्तर्गत परामर्शपूर्णता से किसी अन्य स्रोत से भरी जा सकती हैं और इस प्रकार कोट से अधिक नियुक्तियाँ की जाती हैं वहाँ इस प्रकार नियुक्त व्यक्तियों की उसी वर्ष की ज्योत्तता मिलेगी माना उसकी नियुक्ति उसके कोट की रिक्तियों के विरुद्ध की गयी है।

भाग सात— वेतन इत्यादि

वेतनमान

- 21 संसदीय नियमों के अनुसार वेतनमान का अनुमान्य वेतनमान ऐसा होगा जैसा सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय

(2) पदों के वेतनमान निम्नानुसार होंगे :-

पद का नाम	वेतनमान
क0स0	
(1) संयुक्त निदेशक	12000-375-16500
2	10000-250-12000
3	9000-225-10500
(4) सम्पादक	8000-275-13500
(5) सूचना अधिकारी	6500-200-10500
(6) जिला सूचना अधिकारी	6500-200-10500
फोटो फिल्म अधिकारी	6500-200-10500

संवादों समाप्त की जा सकती हैं

- (5) नियुक्ति प्राधिकारी संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्च पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप में की गयी निरन्तर सेवा को परिवीक्षा अवधि की सगणना करने के प्रेरणार्थ गिने जाने की अनुमति दे सकता है।

स्थायीकरण

19

अवधि या बढ़ाई गयी परीक्षा अवधि की समाप्ति पर
स्थायी किया जा सकेगा। यदि तसजे:-

[illegible]

उसका कार्य और आचरण सतांषजनक बताया गया हो:

उसकी सत्यनिष्ठा अधिप्रमाणित है, तथा

नियुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो गया है कि वह स्थायीकरण हेतु अन्यथा योग्य है।

उद्येष्टता

20

उस क्रम में निर्धारित की जायगी जिसमें उनके नाम उनकी नियुक्ति आदेश में क्रमांकित किये जाते हैं।

- (2). परन्तु उपबन्ध यह है कि यदि नियुक्ति आदेश में कोई पूर्ववर्ती दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाता है, जिससे कोई व्यक्ति मूल रूप से नियुक्त किया जाता है, तो वह दिनांक उसकी मौलिक नियुक्ति आदेश का दिनांक माना जायेगा तथा अन्य मामले में इसे आदेश जारी किये जाने का दिनांक माना जायेगा परन्तु और यह कि यदि चयन के पश्चात किसी के सम्बन्ध में एक से अधिक नियुक्ति आदेश जारी किए जाते हैं तो ज्येष्ठता वह होगी जो नियम 18 के उप नियम (3) के अधीन जारी किये गये संयुक्त नियुक्ति आदेश में उल्लिखित है किसी एक चयन के परिणाम स्वरूप सीधी नियुक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वही होगी, जो था स्थिति आयोग या चयन समिति द्वारा अवधारित की जाय। परन्तु उपबन्ध यह है कि यदि सीधी भर्ती वाला कोई अन्यर्था पद का प्रस्ताव प्रदान किये जाने पर बिना वैध कारणों से कार्यभार ग्रहण करने में असफल रहता है तो वह अपनी ज्येष्ठता खो सकता है।

- (3) पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्तियों की परस्पर जोखना बढी

मूल नियमों में किसी प्रांतिकूल उपबन्ध के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति में केतन को, यदि वह पहले से स्थायी नरकरा, तब, न न हो पाया, न न रहती एवम् अन्त में ही लम्बी कर दी जायेगी जब उसने एक वर्ष की सन्तोषजनक सेवा की हो तो ही फिर द्वितीय चरण में प्रवेश करके सेवा के पश्चात् स्थायी कर दिया जायेगा अन्यथा न हो पायेगी और भी हो और उसे स्थायी भी कर दिया गया हो

- (2) ऐसे व्यक्ति को जो पहले से स्थायी सरकारी सेवा में हो पारवोक्षा अवधि में यतन राज्य के कार्यकलाप के सम्बन्ध में सफलतापूर्वक सेवा करने पर सम्मानित किया जायेगा।
द्वारा विनियमित होगा।
- (3) ऐसे व्यक्ति को जो पहले से स्थायी सरकारी सेवा में हो पारवोक्षा अवधि में यतन राज्य के कार्यकलाप के सम्बन्ध में सफलतापूर्वक सेवा करने पर सम्मानित किया जायेगा।
द्वारा विनियमित होगा।

भाग आठ—अन्य प्राविधान

पक्ष समर्थन

23

उत्तर :-
 1. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 2. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 3. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 4. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 5. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 6. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 7. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 8. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 9. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।
 10. यह एक प्रकार का जल है जो कि बहुत ही शुद्ध होता है।

अन्ध विषयों का नियमन

24

[illegible]

सेवा शर्तों में शिथिलता

25

लिए आवश्यक समझो, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती हैं।

व्याधत्ति

25

करने के पूर्व उस निकाय से परामर्श किया जायेगा।
इस नियम के अन्तर्गत निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी होंगी—
1. निकाय के अध्यक्ष को प्रत्येक वर्ष एक बार अपने अध्यक्षीय
वार्ता में निकाय के कार्य-प्रगति के विषय में निकाय के सदस्यों को
बताना होगा।
2. निकाय के अध्यक्ष को प्रत्येक वर्ष एक बार अपने अध्यक्षीय
वार्ता में निकाय के कार्य-प्रगति के विषय में निकाय के सदस्यों को
बताना होगा।
3. निकाय के अध्यक्ष को प्रत्येक वर्ष एक बार अपने अध्यक्षीय
वार्ता में निकाय के कार्य-प्रगति के विषय में निकाय के सदस्यों को
बताना होगा।

आज्ञा से,

(डी०के० कोटिया)

सचिव

**परिशिष्ट
नियम 4 (2) देखिये ।**

क्र.सं.	पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या
1	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
2	उप निदेशक	10000-325-15200	02
3	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
4	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
5	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
6	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
7	सहायक निदेशक	10000-325-15200	02
8	टो फिल्म अधिकारी	5500-200-10500	01

आज्ञा से,

(Signature)

(डी०के० कोटिया)

सचिव

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 358 of the Constitution, the Government is pleased to order the publication of the following Rules for general information.

**GOVERNMENT OF UTTARANCHAL
INFORMATION DEPARTMENT/SECTION**

Secretariat

No. 266/XXII/2006-57/Su. Lo. Sa. 2006

Dehradun, Dated 29 December, 2006

NOTIFICATION

Miscellaneous

In exercise of the powers conferred on the Governor under clause (3) of Article 358 of the Constitution, the Government is pleased to order the publication of the following Rules for general information.

**THE UTTARANCHAL INFORMATION AND PUBLIC RELATIONS
DEPARTMENT GAZETTED SERVICE RULES, 2006**

PART-1- GENERAL

Short title and commencement

1. These Rules may be called the "Uttaranchal Information and Public Relations Department Gazetted Service Rules, 2006".

- (2) They shall come into force at once.

Status of the Service

2. The Uttaranchal Government Information and Public Relations Department Gazetted Service is a State Service comprising posts A and B posts.

Definitions

3. In these rules unless the context otherwise requires, the following expressions shall have the meanings assigned to them:
 - (a) "Appointing Authority" means as per rule 5 of the Uttaranchal Government Information and Public Relations Department Gazetted Service Rules, 2006;
 - (b) "Citizen of India" means a person who is or is deemed to be a citizen of India under Part II of the Constitution;
 - (c) "Commission" means Uttaranchal Public Service Commission.

(d) 'Constitution' means the Constitution of India.

(e) 'Director General' means the Director General of Information and Public Relations Department of Uttaranchal.

(f) 'Director' means the Director of Information and Public Relations.

(g) 'Governor' means the Governor of Uttaranchal.

(h) 'Member of the Service' means a person who is appointed to any post in the Service of the Government of Uttaranchal and who is entitled to be considered for promotion in the Service.

(i) 'Senior Member of the Service' means a person who is appointed to any post in the Service of the Government of Uttaranchal and who is entitled to be considered for promotion in the Service.

(j) 'Subordinate' means a person who is appointed to any post in the Service of the Government of Uttaranchal and who is entitled to be considered for promotion in the Service. The term 'Subordinate' shall include any person who is appointed to any post in the Service of the Government of Uttaranchal and who is entitled to be considered for promotion in the Service by executive instructions issued by the Government.

(k) 'Year' means the period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year.

PART -II- CADRE

Cadre of Service

* The strength of the Service and the posts in the Service may be determined by the Government from time to time.

2. The strength of the Service and the posts in the Service shall be determined by the Government from time to time and shall be subject to the following conditions that :-

(a) The Government may appoint to any post in the Service a person who is not a Member of the Service and who is not entitled to be considered for promotion in the Service.

(b) The Government may consider proper

PART -III- RECRUITMENT

Source of recruitment

* Recruitment to the Service shall be made from the following sources:-

1. Director

By a Committee from amongst substantively Appointed Deputy Director who has completed One year service as such on the first day of the year of recruitment.

2. Deputy Director

By a Committee from amongst substantively Appointed Assistant Director and Editor officers of the equivalent pay scale who have completed Five-year service as such on the first day of the year of recruitment.

(ii) Five years experience of journalism or editorial work in any leading daily or monthly newspaper or in any department of the Government

Preferential Qualifications:

(i) Served in the Territorial Army for a minimum period of two years, or.

(ii) Obtained a 'B' certificate of National Cadet Corps, shall, other things being equal, be given preference in the matter of direct recruitment.

Information Officer/

Distt Information Officer (a) Essential qualifications

(i) A Bachelors Degree with Hindi as one of the subjects from a university established by law in India or a degree recognized by the government as equivalent thereto.

(ii) Diploma Degree in Journalism or a five years experience established by any institution recognized by the government as equivalent thereto or 5 years journalistic experience.

(b) Preferential qualifications:

(i) Three Years experience of writing articles, scripts and features in the newspapers and magazines.

(ii) Diploma in Music/Lighting Arrangements Acting/Direction etc. from any institute recognized by the government

Age

9. A candidate for direct recruitment must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of more than 35 years on January 1 of the year in which recruitment is to be made if the posts are advertised during the period January 1st to June 31 and on July 1 if the posts are advertised during the period July 1st to December 31 ;

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

Character

10. The character of a candidate for direct recruitment to a post in the I-Service must be such as to render him suitable in all respects for employment in Government Service. The appointing authority shall satisfy itself on this point.



NOTE- Person employed by the Government of Nagaland, other than a contract employee, shall be deemed to be a Government servant for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules.

Marital Status

A person employed by the Government of Nagaland shall be deemed to be a Government servant for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules.

Physical fitness

A person employed by the Government of Nagaland shall be deemed to be a Government servant for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules.

Provided that a person employed by the Government of Nagaland shall be deemed to be a Government servant for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules and for the purpose of the provisions of the Nagaland Service Rules.

PART -V-

PROCEDURE FOR RECRUITMENT

Determination of vacancies

The Commission shall determine and report to the Government the number of vacancies in the service of the Government of Nagaland and the number of vacancies in the service of the Government of Nagaland and the number of vacancies in the service of the Government of Nagaland.

Procedure by direct recruitment

4. Any person or persons who appear in the competitive examination shall be eligible to the Commission in the prescribed form which may be obtained from the Secretary to the Commission on payment.

2) No candidate shall be admitted to the examination unless he takes a certificate of admission, issued by the Commission.

3) After the results of the written examination has been received and tabulated, the Commission shall determine the need for recruitment and the representation of the candidates belonging to the Scheduled Caste, Scheduled Tribes and Other Backward Classes and the Government shall determine the number of such candidates to be taken up in the result of the written examination. The marks awarded to each candidate at the interview shall be added to the marks obtained by him in the written examination.

4) The Commission shall prepare a list of candidates in order of their proficiency as disclosed by the aggregate of marks obtained by each candidate in the written examination.

and recommend such number of candidates as they consider fit for appointment. In case of more candidates obtaining equal marks in the aggregate, the name of the candidate obtaining higher marks in the written examination shall be placed higher in the list. The number of names in the lists shall be more (but not more than 25%) than the number of vacancies. The Commission shall forward the lists to the Appointing Authority.

NOTE- The syllabus and rules for competitive examination shall be from time to time as prescribed by the Commission from time to time.

Procedure for recruitment by promotion

15. For the promotion to the post of Joint Director, Deputy Director and Assistant Director, Departmental Promotion Committee shall be constituted as below:-

- | | | |
|-----|--|------------------------|
| (1) | Principal Secretary, Government of Uttaranchal | Ex officio Chairman |
| (2) | Representative of Principal Secretary, Government of Uttaranchal below the rank of Joint Secretary | Ex officio Member |
| (3) | An officer from Scheduled Casts/Scheduled Tribes below the rank of Joint Secretary | Member |
| (4) | Additional Secretary and Executive Director, Government of Uttaranchal | Chief Member Secretary |

For promotion to the post of Planning Officer, Departmental Promotion Committee will be constituted as below:-

- | | | |
|-----|---|-----------------------------|
| (1) | Director General Information, Government of Uttaranchal | Ex officio Chairman |
| (2) | Executive Director Information, Government of Uttaranchal | Ex officio Member |
| (3) | A Deputy Director Information | Ex officio Member Secretary |
| (4) | An officer from Scheduled Casts/Scheduled Tribes | Member |

(a) The Appointing Authority will prepare a list of qualified persons on the basis of their seniority, qualifications and will put up before the Selection Committee with the character notes and all other relevant documents deemed fit.

(b) Selection Committee shall consider on the promotion of the personals on the basis of documents mentioned in sub-rule (a) and if necessary may take interviews.

(c) A list of the basis of seniority of selected persons shall be prepared by the selection committee and shall be submitted to appointing authority.

Combined select list.

16. If in any year of recruitment appointment are made both by direct Recruitment and by promotion, a combined select list shall be prepared by taking the names of candidates from the relevant lists in such manner that the prescribed percentage is maintained. The first name in the list being of the person appointed by promotion.

Illustrations

1. Suppose that a service appointment is made both by Direct Recruitment (10) and by primary promotion (the ratio of 75:25) and in particular year there are 20 vacancies to be filled. In this case, 15 vacancies will go to the direct recruits and 5 vacancies to primary promotion. A cyclic order sheet for the year has combined Selection should be prepared in the following cyclic order:

1. D	11. D
2. D	12. D
3. D	13. P
4. D	14. D
5. P	15. D
6. D	16. D
7. D	17. P
8. D	18. D
9. P	19. D
10. D	20. D

2. If in the above example recruitment is by (X) Year, then a cyclic order with the reserved vacancies are recruited by promotion and 2 direct and the order of the direct recruits, the vacant posts will be for the remaining vacancies in the reserved vacancies. The cyclic order sheet for the direct recruits will be prepared in the following cyclic order: (X) Year, 8 vacancies, 2 primary promotion, 10 vacancies, the combined selection (X) and (Y) Year will be prepared in the following cyclic order:

(X) Year		(Y) Year	
1. D	10. D	1. D unfilled	11. D
2. D	11. D	2. D quota of	12. P Excess
3. D	12. D	3. D(X) year	of(X) Year
4. D	13. P	4. P Excess of	13. P
5. P	14. D	(X) Year	14. D
6. D	15. D	5. D	15. D
7. D	16. D	6. D	16. P
8. D	17. P	7. D	17. D
9. P		8. P Excess of (X) Year	18. D
		9. D	19. D
		10. D	20. P

3. If in the above illustration, 10 vacancies are reserved and there are 10 vacancies, the relevant orders will be for the direct being provided in the unfilled vacancies of any service being filled from the other sources or specified conditions and the unfilled vacancies of direct recruits will be provided by primary promotion and the cyclic order sheet will be prepared in the following cyclic order:

1. P	11. D
2. D	12. D
3. D	13. D
4. D	14. D
5. P	15. D

6 D
7 D
8 D
9 P
10 D

6 D
7 P
8 P
9 P
10 P

PART -VI- APPOINTMENT, PROBATION, CONFIRMATION AND SENIORITY

Appointment

7. Subject to the provisions of sub-rule (2) the appointing authority shall make provision for making the necessary appointments in accordance with the rules prepared Under rules, 15, 16 or 17 as the case may be

(2) Where in any year the appointments are to be made but no direct recruitments are being made, the appointments shall be made under rule 17

3. The appointing authority shall make appointments in accordance with the rules prepared under rule 17 as the case may be, subject to the provisions of the rules, 15, 16 or 17 as the case may be, and shall make provision for making the necessary appointments in accordance with the rules prepared Under rules, 15, 16 or 17 as the case may be

4. The Appointing Authority shall make appointments in accordance with the rules prepared under rule 17 as the case may be, subject to the provisions of the rules, 15, 16 or 17 as the case may be, and shall make provision for making the necessary appointments in accordance with the rules prepared Under rules, 15, 16 or 17 as the case may be

Probation

18. A person appointed to post as a probationer shall be placed on probation for a period of two years

19. A probationer shall be placed on probation for a period of two years

20. A probationer shall be placed on probation for a period of two years

21. A probationer who is not confirmed after the expiry of two years shall be placed on probation for a period of two years

22. A probationer who is not confirmed after the expiry of two years shall be placed on probation for a period of two years

(5) The Appointing Authority may allow continuous service, rendered in an officiating or temporary capacity, in a post included in the cadre or any other equivalent or higher post, to be taken into account for the purpose of computing the period of probation.)

Confirmation :

19. A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of the period of probation or the extended period of probation if :

- (a) He has passed the prescribed departmental examination if any.
- (b) His work and conduct is reported to be satisfactory.
- (c) His integrity is certified, and
- (d) The Appointing Authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.

Seniority

20. (1) Except, as hereinafter provided, the seniority of persons in any category of post shall be determined from the date of the order of substantive appointment and if two or more persons are appointed. Together, by such order in which their names are arranged in the appointment order.

Provided that if the appointment order specifies, particular back date with effect from which a person substantively. Appointed, that date, will be deemed to be the order of: substantively. Appointed and other case it will mean the date of issue of the order:

(2) The seniority inter se of persons appointed directly on the result of any selection, shall be the same as determined by the Commission or, as the case may be, by Selection Committee.

Provided that a candidate recruited directly may lose his Seniority if he fails to Join without valid reasons when vacancy is offered to him. the decision of the appointing authority as to the validity of reasons shall be final.

(3) The Seniority inter se of persons appointed by promotion shall be the same as it was in the cadre from which they were promoted.

(4) Where appointments are made both by promotion and direct recruitment or from more than one source and the respective quota of the sources is prescribed, the inter-se seniority shall be determined by arranging the names in a cyclic order in a combined list, prepared in accordance with rule-18. In such manner that the prescribed percentage is maintained.

Provided that

(i) Where appointments from any source are made in excess of the prescribed quota, the persons appointed in excess of quota shall be pushed down, from seniority, to subsequent year or years in which there are vacancies in accordance with the quota.

(ii) Where appointments from any sources fall short of the prescribed quota and appointments against such unfilled vacancies are made in subsequent year or years, the persons so appointed shall not get seniority of any earlier year but shall get the seniority of the year in which their appointments are made, so however, that in the combined list of that year, to be prepared under this rule, their names shall be placed at the top, followed by the names, in the cyclic order, of the other appointments.

(iii) Where, in accordance with the rules or prescribed procedure, the unfilled vacancies from any source could, in the circumstances mentioned in the relevant rule or procedure be filled

from the other source and appointment in excess of quota are so made, the persons so appointed shall get the seniority of that very year as If they are appointed against the vacancies quota.

PART -VII- PAY ETC

Scales of pay

21. (1) The scales of pay admissible to persons appointed to the various categories of posts in the service, whether in a substantive or officiating capacity or as a temporary measure, shall be such as may be determined by the Government from time to time.

(2) The Scales of pay at the time of the commencement of these Rules are given as follows.

<u>S.N.</u>	<u>Name of Post</u>	<u>Pay Scale</u>
1.	Joint Director	12000-375-16500
2.	Deputy Director	10000-325-15200
3.	Asstt. Director/Assistant Director	
	Technical	8000-275-13500
4.	Editor	8000-275-13500
5.	Information Officer	6500-200-10500
6.	Distt. Information Officer	6500-200-10500
7.	Photo Film Officer	6500-200-10500

Pay during probation

22. (1) Notwithstanding any provision in the fundamental rules to the contrary, a person on probation, if he is not already in permanent Government service, shall be allowed his first increment in the time scale when he has completed one year of satisfactory service, has passed departmental examination and undergone training, where prescribed, and second increment after two years service when he has completed the probationary period and is also confirmed.

provided that, if the period of probation is extended on account of failure give satisfaction such exclusion shall not count for increment unless the Appointing authority directs otherwise.

(2) The pay during probation of a person who was already holding a post under the Government, shall be regulated by the relevant

Fundamental rules applicable to government servants generally serving in Connection with the affairs of the state.

Part- VIII- OTHER PROVISIONS

23. Regulation of other matters

In regard to the matters not specifically covered by these rules or special orders, persons appointed to the service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable generally to Government ' servants service in connection with the affairs of the states.

24. Relaxations from conditions of service

Where the State Government is satisfied that the operation of any rule regulating the conditions of service of persons appointed to the service caused undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary dealing with the case in a just and equitable manner.

Provided that where a rule has been framed in consultation with the Commission, that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed.

25. Savings

Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes of citizens and other special categories or persons in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

By Order,



(D.K. Kotia)

Secretary

Appendix
See rule 4 (2)

<u>S.N.</u>	<u>Name of Post</u>	<u>Pay Scale</u>	<u>No. of Post</u>
1.	Joint Director	12000-375-16500	01
2.	Deputy Director	10000-325-15200	02
3.	Assistant Director/ Assistant Director	8000-275-13500	04
4.	Editor	8000-275-13500	01
5.	Information Officer	6500-200-10500	08
6.	Distt. Information Officer	6500-200-10500	13
7.	Photo Film Officer	6500-200-10500	01

By Order,



(D.K. Kotia)
Secretary

